हिंदी–विभाग
(मानविकी संकाय)
इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी

परीक्षा योजना

एवम्

पाठ्यक्रम

पीएच.डी. कोर्स वर्क (हिंदी)

(क्रेडिट पद्धति के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025–2026 से चरणबद्ध तरीके से प्रभावी)

कार्यक्रम के विशेष परिणाम

- पीएच.डी. कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वैचारिक दृष्टि से सूक्ष्म अध्ययन की दिशा में प्रेरित करता है। शोध प्रविधि में निर्धारित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शोध के सभी पक्षों को हृदयंगम करने के लिए प्रेरित करता है। विद्यार्थियों को क्षेत्र और दृष्टि के आधार पर नवीनतम विषयों पर शोध–कार्य करने के लिए अनुप्रेरित करना ही पाठ्यक्रम की उपलब्धि है।
- हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका, पाठ्यक्रम से शोधार्थियों को विषय की आधारभूत जानकारी मिलेंगी जिससे विद्यार्थी शोध विषय का अच्छी तरह से चुनाव कर सकेंगे।
- शोध एवं प्रकाशन नैतिकता, पाठ्यक्रम शोध से सम्बन्धित विविध मापदंडों के अनुपालन पर बल देता है।
- साहित्य की समीक्षा और संगोष्ठी के द्वारा शोधार्थियों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता मिलेगी।

पीएच.डी. कोर्स वर्क पाठ्यक्रम (हिंदी)

पीएच.डी. कोर्स वर्क एक पूर्णकालिक नियमित कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम एक सेमेस्टर का होगा । 12 क्रेडिट के अन्तर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम विभक्त है, जिसमें सभी मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं। आंतरिक और बाह्य परीक्षाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय नियमानुसार किया जाएगा।

पीएच.डी. कोर्स वर्क, हिंदी पाठ्यक्रम और परीक्षा योजना

सत्र 2025–26

पाठ्यक्रम–विवरण

क्र.स.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	लिखित (Theory) ／सेमिनार (s)	क्रेडिट	परीक्षा योजना		कुल अंक
					आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा	लिखित परीक्षा	
1	25 L7.0- HIN-101	शोध प्रविधि	Th	4	30	70	100
2	25 L7.0- HIN-102 102 (A) 102 (B)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका साहित्य अध्ययन की पद्धतियाँ	Th	4	30	70	100
3	25L7.0-RPE-103	शोध और प्रकाशन नैतिकता	Th	2	10	40	50
4	25L7.0-HIN-104	साहित्य की समीक्षा और संगोष्ठी	S	2	-	50	50
कुल				12	70	230	300

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

शोध प्रविधि

25 L7.0- HIN-101

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- शोध के स्वरूप एवं प्रकृति की जानकारी प्रदान करना।
- शोध के विभिन्न आयामों और उनमें शोधकार्य करने की व्यापक संभावनाओं से अवगत कराना।
- शोध की पद्धतियों का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- शोधार्थी को शोध कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं का निदान करने में सहायता मिलेगी।
- हिंदी में शोध के प्रमुख आयाम, प्रविधियाँ और महत्व को जान सकेंगे।
- शोध की विभिन्न पद्धतियों का बोध।

नोट :

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 100 शब्दों में किन्हीं 7 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।
2. प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंकों का होगा।

इकाई –1

शोध का स्वरूप : सैद्धांतिक पक्ष

शोध : व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप
शोध : तत्व, प्रयोजन
शोध के प्रकार – साहित्यिक शोध,
अंतरविद्यावर्ती शोध
(मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, सौंदर्यशास्त्रीय एवं भाषाशास्त्रीय शोध)
लोक साहित्यिक शोध, तुलनात्मक शोध
शोधार्थी और शोध निर्देशक के गुण

इकाई– 2

विषय चयन तथा शोध विधि

विषय चयन : सर्वेक्षण, समालोचन एवं निर्धारण
शोध – क्षेत्र

शोध दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार
रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति
सामग्री संकलन
विभिन्न पद्धतियाँ
संकलित सामग्री की उपयोग विधि

इकाई – 3

विषय – प्रतिपादन की पद्धति

सामग्री का विभाजन तथा संयोजन (तर्क पद्धति, निरूपण)
प्रामाणिकता : अंतःसाक्ष्य तथा बहिःसाक्ष्य
उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन)
उपसंहार
परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री, पत्र व्यवहार और अन्य उल्लेख)

इकाई – 4

कंप्यूटर : उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय,
शोध के क्षेत्र में आईसीटी का प्रयोग
ई–स्त्रोतों का परिचय और शोध में उनकी प्रासंगिकता
हिंदी शोध की समस्याएं
शोध में अनुदान (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 का शोध सम्बन्धी अधिनियम)

सहायक पुस्तकें –

हिंदी अनुसंधान, विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस दिल्ली।
नवीन शोध विज्ञान, तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
शोध प्रविधि, विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली।
अनुसंधान का विवेचन, उदयभानु सिंह, हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली।
भारतीय पाठालोचन की भूमिका, एस.एस. कन्ने, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
अनुसंधान विधि, डॉ. जोगेश कौर हिंदी शोध ग्रंथों के संदर्भ में निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
अनुसंधान की प्रविधि, डॉ सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिंदी अनुसंधान, डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
शोध और सिद्धांत, नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
हिंदी संशोधन की रूपरेखा, मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन ,जयपुर।
शोध विज्ञान तिलक सिंह नवीन प्रकाशन संस्थान दिल्ली प्रकाशन।
साहित्यिक शोध के आयाम, डॉ0 शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली।
शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, डॉ0 बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इंडिया लिमि0 दिल्ली।
शोध–प्रविधि, डॉ0 हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका

25 L7.0- HIN-102 (A)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- हिंदी साहित्य के विकास क्रम तथा तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का बोध ।
- नवजागरण से उत्पन्न नये विचारों, नये विषयों और नयी शैलियों का परिचय प्रदान करना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम

- हिंदी साहित्य में निहित भारतीय संस्कृति मूल्य और परंपराओं के विकास को जान सकेंगे ।
- अंग्रेजी शिक्षा और पश्चिमी विचारों के प्रभाव से राष्ट्रीय चेतना के विकास का बोध।
- हिंदी साहित्य का अध्ययन करते समय वैचारिक सिद्धांतों को लागू कर सकेंगे।
- शोध के नए—नए आयामों का बोध होने से शोध विषय का चयन करने में सहायता मिलेगी।

नोट :

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 100 शब्दों में किन्हीं 7 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।
2. प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंकों का होगा।

इकाई 1

विचारधारा और मध्यकालीन बोध का स्वरूप

विचारधारा और साहित्य
मध्ययुगीन बोध का स्वरूप
विभिन्न धर्म साधनाएं और आंदोलन
मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध : साम्य—वैषम्य

इकाई 2

आधुनिक बोध
आधुनिकीकरण की प्रक्रिया और औद्योगिक संस्कृति
भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन परंपरा
राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य सृजन
पुनरुत्थान,पुनर्जागरण,लोक जागरण एवं हिंदी नवजागरण
राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य

इकाई 3

विभिन्न मतवाद
अद्वैतवाद
शुद्धाद्वैतवाद,
विशिष्टाद्वैतवाद
यथार्थवाद
गांधीवाद
मार्क्सवाद
मनोविश्लेषणवाद
अस्तित्ववाद
आधुनिकतावाद
उत्तर आधुनिकतावाद
नयी समीक्षा

इकाई 4

समकालीन साहित्य चिंतन
भूमंडलीकरण
बाजारवाद
स्त्री विमर्श
दलित विमर्श
आदिवासी विमर्श
आंचलिक एवं महानगरीय बोध

सहायक पुस्तकें –

हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि, डॉ. शंभूनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि,डॉ. लालचंद गुप्त मंगल, आधार प्रकाशन पंचकूला
मध्यकालीन बोध का स्वरूप,हजारी प्रसाद द्विवेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, शिवकुमार मिश्र,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भक्ति,नीति और दर्शन, हरिश्चंद्र वर्मा ,आधार प्रकाशन, पंचकूला
भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल, बैजनाथ प्रसाद, विशाल पब्लिकेशंस,पटना
मनोविश्लेषण ,सिगमंड फ्रॉयड ,राजपाल एंड संस ,दिल्ली
आधुनिकता बोध, रामधारी सिंह दिनकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य, वीरभारत तलवार,किताब घर प्रकाशन,नई दिल्ली
उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार, देवीशंकर नवीन,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
उत्तर आधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी,

संरचनावाद उत्तर संरचनावाद एवं प्रत्यय काव्यशास्त्र,गोपीचंद नारंग
भूमंडलीकरण और मीडिया,कुमुद शर्मा, ग्रंथ अकादमी,नई दिल्ली
भूमंडलीकरण और उत्तर सांस्कृतिक विमर्श, सुधीश पचौरी, प्रवीध प्रकाशन, नई दिल्ली
स्त्री उपेक्षिता,सिमोन द वोउवार, (अनु.प्रभा खेतान), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
स्त्रियों की पराधीनता,जे.एस.मिल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
उपनिवेश में स्त्री,प्रभा खेतान , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, जगदीश्वर चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य, क्षमा शर्मा,राजकमल प्रकाशन दिल्ली
अस्मिता साहित्य का सौन्दर्य दर्शन, कर्मानंद आर्य, द मार्जिन्लाइज्ड पब्लिकेशन और बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय
अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज, ईश कुमार, अकादमिक प्रतिमा, नई दिल्ली
आधुनिकता के आइने में दलित, सं० अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, डॉ० देवेन्द्र चौबे, ओरिएंटल ब्लैकस्वान
आदिवासी विमर्श, डॉ. रमेशचन्द्र मीणा (संपा) राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर
आदिवासी अस्मिता : प्रभुत्व और प्रतिरोध, अनुज लुगुन (संपा.) अन्यय प्रकाशन, दिल्ली
आदिवासी साहित्य विमर्श, गंगा सहाय मीणा, अनामिका प्रकाशन
दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय प्रश्न पत्र

साहित्य अध्ययन की पद्धतियाँ

25L7.0- HIN-102 (B)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- शोध के अंतर्गत विविध आलोचनात्मक पद्धतियों के विश्लेषण का ज्ञान प्रदान करना ।
- विविध आलोचनात्मक पद्धतियों एवं दृष्टिकोणों का शोध के अंतर्गत अनुप्रयोग का बोध प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम

- शोध की विविध पद्धतियों का विश्लेषणात्मक बोध
- शोध विषय से सम्बन्धित विशिष्ट पद्धतियों तथा दृष्टिकोणों के महत्व को जान सकेंगे।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 100 शब्दों में किन्हीं 7 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।
2. प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंकों का होगा।

इकाई–1

सांस्कृतिक आलोचना

संस्कृति का स्वरूप, तत्त्व
सांस्कृतिक आलोचना पद्धति के घटक, तत्व
विभिन्न विधाओं पर इस आलोचना पद्धति का प्रयोग

इकाई–2

मनोवैज्ञानिक आलोचना

मनोविज्ञान का स्वरूप, तत्व
मनोवैज्ञानिक आलोचना पद्धति के घटक तत्व
विभिन्न विधाओं पर इस आलोचना पद्धति का प्रयोग

इकाई–3

समाजशास्त्रीय आलोचना
समाजशास्त्र का स्वरूप,तत्व
समाजशास्त्र पद्धति के घटक तत्व
विभिन्न विधाओं पर इस आलोचना पद्धति का प्रयोग

ईकाई–4

सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना
सौंदर्यशास्त्र का स्वरूप, तत्व
सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना पद्धति के घटक तत्व
विभिन्न विधाओं पर इस आलोचना पद्धति का प्रयोग

सहायक पुस्तकें–

नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नयी दिल्ली
हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी आलोचना की सैद्धांतिकी,विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला
हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ,निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
दूसरी परंपरा की खोज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी आलोचना का विकास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
आलोचना की सामाजिकता, मैनेजर पांडेय,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
सौंदर्य विमर्श, पूरनचंद टंडन, संजय प्रकाशन, दिल्ली
मध्यकालीन कृष्ण काव्य में सौंदर्य चेतना, पूरनचंद टंडन, संजय प्रकाशन, दिल्ली

तृतीय प्रश्न पत्र

Research and Publications Ethics

(As per University Guidelines)

25L7.0-RPE-103

साहित्य समीक्षा और संगोष्ठी

25L7.0-HIN-104

पूर्णांक : 50

पेपर –105

शोधार्थी को अपनी रूचि के अनुरूप 15–20 शोध पत्रों की समीक्षा प्रस्तुत करनी अनिवार्य है। जिसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षकों के द्वारा किया जाएगा।